ग्यारस मैया के भजन

संतों की प्यारी एकादशी
भक्तों की प्यारी एकादशी

जिसके घर में कुआं बावड़ी
अरे नहावे धावे गिरधारी
भक्तों की प्यारी एकादशी

जिसके घर में तपे रसोई
अरे भोग लगावे गिरधारी
भक्तों की प्यारी एकादशी

जिसके घर में कुंवारी कन्या
अरे भात भरत है गिरधारी
भक्तों की प्यारी एकादशी

जिसके घर में तुलसी का बिड़ला
पूजा करे हम गिरधारी
भक्तों की प्यारी एकादशी

जिसके घर में बूढ़ी डुकरिया
कंधा लगावे गिरधारी
भक्तों की प्यारी एकादशी

जिसके घर में गैया बछड़ा
रोज खिलावे गिरधारी
भक्तों की प्यारी एकादशी

जिसके घर में पूजा पाठ होवे
ध्यान लगावे गिरधारी
भक्तों की प्यारी एकादशी

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

तू कर ले व्रत ग्यारस का भजन लिरिक्स

तू कर ले ब्रत ग्यारस को हरी तो तुझे मिल जायेंगे
माला जप ले तू कर ले ब्रत ग्यारस को

कभी दान करो अन्न धन का कि भंडारे भर जायेंगे
माला जप ले तू कर ले ब्रत ग्यारस को

तुम सेवा करो मां बाप की कि सारे तीर्थ हो जायेंगे
माला जप ले तू कर ले ब्रत ग्यारस को

तुम सेवा करो गऊ मां की कि बैकुंठ मिल जायेगा
माला जप ले तू कर ले ब्रत ग्यारस को

कभी दिल न किसी का दुखाना कि सब सुख मिल जायेगा
माला जप ले तू कर ले ब्रत ग्यारस को

कभी कीर्तन करो हरि नाम का कि बेड़ा पार हो जायेगा
माला जप ले तू कर ले ब्रत ग्यारस को

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

आई एकादशी व्रत एकादशी

आई एकादशी व्रत एकादशी
श्री हरि को प्यारी एकादशी
कर लो भक्तों व्रत एकादशी

जिसके घर में तुलसी का पौधा,
सींचन को आयें गिरधारी
आई एकादशी व्रत एकादशी...

जिनके घर में गंगा जमुना,
नहावन को आयें गिरधारी
आई एकादशी व्रत एकादशी...

जिनके घर में ठाकुर की पूजा,
ज्योति को जलाने आयें गिरधारी
आई एकादशी व्रत एकादशी...

जिनके घर में गाय माता है,
देखो दूध दुहने आयें गिरधारी
आई एकादशी व्रत एकादशी...

जिनके घर में कुवांरी कन्या,
देखो ब्याह रचाने आयें गिरधारी
आई एकादशी व्रत एकादशी...

जिनके घर में सीता रसोई,
देखो भोग लगाने आयें गिरधारी
आई एकादशी व्रत एकादशी...

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय

मेरा हरी से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातो बंद पड़ी,
ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातों बंद पड़ी...

पहली खिड़की खोल के देखू,
वहां मकड़ी का जाल,
मोपे इतना ना बनी मेरे राम,
झाड़ू तो या मैं मारती चलूं,
ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय,
मेरा हरी से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातो बंद पड़ी...

दूजी खिड़की खोल कर देखू उसमे घोर अंधेरा,
मोपे इतना ना बनी मेरे राम,
दिया तो यामे जोड़ती चलूं,
ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय,
मेरा हरी से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातो बंद पड़ी...

तीजी खिड़की खोल कर देखू वहां गंगा की धार,
मोपे इतना ना बनी मेरे राम,
गोता तो यामे मारती चलूं,
ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय,
मेरा हरी से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातो बंद पड़ी...

चौथी खिड़की खोलकर देखू उसमें कपिला गाय,
मोपे इतना ना बनी मेरे राम,

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

सेवा तो यामे करती चलू,
ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय,
मेरा हरी से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातो बंद पड़ी...

पांचवी खिड़की खोल कर देखू वहां तुलसी का बाग,
मोपे इतना ना बनी मेरे राम,
तुलसी की बगिया सीचती चलू,
ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय,
मेरा हरी से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातो बंद पड़ी...

छठवी खिड़की खोल कर देखू उसमे कन्हैया आप,
मैंने दर्शन किए भरपूर खिड़की तो सारी खुली पड़ी,
ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय,
मेरा हरी से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातो बंद पड़ी...

सातवीं खिड़की खोल कर देखू वहां मैया जी आप,
मेरा जन्म सफल हुआ आज,
खिड़की तो सातो खुली पड़ी,
मैंने सेवा करी दिन रात खिड़की तो सातों खुली पड़ी,
ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय,
मेरा हरी से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातो बंद पड़ी...

मेरा हरी से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातो बंद पड़ी,
ग्यारस मैया से मिलन कैसे होय,
खिड़की तो सातों बंद पड़ी...

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना

मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना।।

फूलों से सुंदर आसन सजाया,
फूलों से सुंदर आसन सजाया,
आसन पे मैया को बिठाया,
आसन पे मैया को बिठाया,
मैया देगी आशीष हमारे अंगना,
मैया देगी आशीष हमारे अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना।।

मैया के लिए मैंने टीका मंगाया,
मैया के लिए मैंने टीका मंगाया,
टीका मंगाया हां टीका मंगाया,
टीका मंगाया हां टीका मंगाया,
मैया सिंदुरा लगाएंगी हमारे अंगना,
मैया सिंदुरा लगाएंगी हमारे अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना।।

मैया के लिए मैंने चूड़ियां मंगाईं,
मैया के लिए मैंने चूड़ियां मंगाईं,
चूड़ियां मंगाई हां चूड़ियां मंगाई,
चूड़ियां मंगाई हां चूड़ियां मंगाई,

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

मैया मेंहदी लगाएंगी हमारे अंगना,
मैया मेंहदी लगाएंगी हमारे अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना।।

मैया के लिए मैंने पायल मंगाई,
मैया के लिए मैंने पायल मंगाई,
पायल मंगाई हां पायल मंगाई,
पायल मंगाई हां पायल मंगाई,
मैया महावर लगाएंगी हमारे अंगना,
मैया महावर लगाएंगी हमारे अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना।।

मैया के लिए मैंने चोला मंगाया,
मैया के लिए मैंने चोला मंगाया,
चोला मंगाया हां चोला मंगाया,
चोला मंगाया हां चोला मंगाया,
मैया ओढ़ेंगी चुनरिया हमारे अंगना,
मैया ओढ़ेंगी चुनरिया हमारे अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,

मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
कराया अंगना हां कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना,
मैने ग्यारस का कीर्तन कराया अंगना।।

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

ग्यारस चांदण की आई

ग्यारस चांदण की आई,
भगता मिल ज्योत जगाई,
झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
ओ बाबा झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
मन में हरियाली छाई,
भगता मिल ज्योत जगाई,
झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
ओ बाबा झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे ॥

चम चम चमकातो मुखडो,
काना में कुंडल हो,
काना में कुंडल हो,
हिवड़ो हुलसायो म्हारो,
भला पधारया हो,
भला पधारया,
हीरो भलके माथे में,
अंतर जमके बागे में,
फुल्डा बरसे छे म्हारे आंगणे,
ओ बाबा फुल्डा बरसे छे म्हारे आंगणे,
ग्यारस चांदण की आईं,
भगता मिल ज्योत जगाई,
झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
ओ बाबा झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे ॥

गंगाजल झारी थारा,
चरण पखारा हो,
चरण पखारा,
उँचे सिंहासन बैठो,
आरती उतारा हो,
आरती उतारा,
भजन सुनावा थाने,
गाकर रिझावा थाने,
अमृत बरसे छे म्हारे आंगणे,

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

ओ बाबा अमृत बरसे छे म्हारे आंगणे,
ग्यारस चांदण की आईं,
भगता मिल ज्योत जगाई,
झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
ओ बाबा झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे ॥

जो थाने भावे बाबा,
भोग लगावा हो,
भोग लगावा,
रूच रूच जिमो प्रभु जी,
परदो लगावा हो,
परदो लगावा,
तारो मुलक़ातो मुखड़ो,
चंदा सू लागे उजलो,
कीर्तन में देखयो थाने आंगणे,
ओ बाबा कीर्तन में देखयो थाने आंगणे,
ग्यारस चांदण की आईं,
भगता मिल ज्योत जगाई,
झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
ओ बाबा झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे ॥

बिडलो दबावों मुख में,
अंतर काना में हो,
अंतर काना में,
थारे लीले के पांवा,
बिछिया बाजनीया हो,
बिछिया बाजनीया,
करस्यां पहरावणी थारी,
आशा पूरण म्हारी,
चरण दबास्या म्हारे आंगणे,
ओ बाबा चरण दबास्या म्हारे आंगणे,
ग्यारस चांदण की आईं,
भगता मिल ज्योत जगाई,
झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
ओ बाबा झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे ॥

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

लगन निभाजो प्रभु जी,
प्रेम बढाजो हो,
प्रेम बढाजो,
या म्हारी मिनखा जूणी,
सफल बनाजो हो,
सफल बनाजो,
मोती चरणा को चाकर,
नंदू रिझावे गाकर,
भल भल पधारया म्हारे आंगणे,
ओ बाबा भल भल पधारया म्हारे आंगणे,
ग्यारस चांदण की आईं,
भगता मिल ज्योत जगाई,
झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
ओ बाबा झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे ॥

ग्यारस चांदण की आई,
भगता मिल ज्योत जगाई,
झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
ओ बाबा झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
मन में हरियाली छाई,
भगता मिल ज्योत जगाई,
झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे,
ओ बाबा झांझ मज़ीरा बाजे आंगणे ॥

गर श्याम से मिलना है एक बात समझ लेना,
एक बात समझ लेना,
हारे का साथी है,
सदा हार के तू रहना ॥

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

ग्यारस के दिन तुलसा ना तोड़ो

ग्यारस के दिन तुलसा ना तोड़ो,
हरि के चरण कभी मत छोड़ो.....

मात पिता और प्रभु हमारे,
यह तीनों हे पालनहारे,
इनकी सेवा कभी ना छोड़ो
प्रभु के चरण कभी मत छोड़ो....

तेरी मेरी निशदिन करता,
दुजे का सुख देखते जलता,
बुरी है आदत इसको छोड़ो
हरि के चरण कभी मत छोड़ो.....

धर्म-कर्म और ज्ञान की बातें,
यह सब जीवन सुखी बनाते,
सतसंगत से नाता जोड़ो
हरि के चरण कभी मत छोड़ो.....

जैसी करनी वैसा फल है,
आज नहीं तो निश्चित कल है,
शुभ कर्मों से नाता जोड़ो
हरि के चरण कभी मत छोड़ो.....

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

हाजरी लिखवाता हूँ

हाज़री लिखवाता हूँ हर ग्यारस में,
मिलती है तन्खा, मिलती है तन्खा,
मुझे बारस में,
हाज़री लिखवाता हूँ हर ग्यारस में ॥

दो दिन के बदले में तीस दिनों तक मौज करूँ,
अपने ठाकुर की सेवा भजनो से रोज करूँ,
रहता है तू सदा, रहता है तू सदा,
भक्तो के वश में,
हाज़री लिखवाता हूँ हर ग्यारस में ॥

दो आंसू जब बह जाते है चरणों में तेरे,
करता घर की रखवाली जाकर तू घर मेरे,
झूठी ना खाता हूँ, झूठी ना खाता हूँ,
दर पे मैं कस्मे,
हाज़री लिखवाता हूँ हर ग्यारस में ॥

दुनिया की सब मौजे छूटे ग्यारस न छूटे,
श्याम के संग हरबार तेरे दर की मस्ती लुटे,
मिल गया तू मुझे, मिल गया तू मुझे,
भजनो के रस्मे,
हाज़री लिखवाता हूँ हर ग्यारस में ॥

हाज़री लिखवाता हूँ हर ग्यारस में,
मिलती है तन्खा, मिलती है तन्खा,
मुझे बारस में,
हाज़री लिखवाता हूँ हर ग्यारस में ॥

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

अर्जुन सुन गीता का ज्ञान

अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

ग्यारस के दिन सिर से नहावे,
लेवे कछुए का अवतार,
कछुए का अवतार रे,
अर्जुन कछुए का अवतार,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

ग्यारस के दिन खाट पै सोवे,
लेवे अजगर का अवतार,
अजगर का अवतार रे,
अर्जुन अजगर का अवतार,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

ग्यारस के दिन बैंगन खावे,
लेवे भैंसे का अवतार,
भैंसे का अवतार रे,
अर्जुन भैसे का अवतार,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

ग्यारस के दिन चावल खावे,
लेवे कीड़े का अवतार,
कीड़े का अवतार रे,
अर्जुन कीड़े का अवतार,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

ग्यारस के दिन दूध जो पीवे,
लेवे नागिन का अवतार,

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

नागिन का अवतार रे,
अर्जुन नागिन का अवतार,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

ग्यारस के दिन घर घर डोले,
लेवे कुतिया का अवतार,
कुतिया का अवतार रे,
अर्जुन कुतिया का अवतार,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

ग्यारस के दिन करे लड़ाई,
लेवे चंडी का अवतार,
चंडी का अवतार रे,
अर्जुन चंडी का अवतार,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

ग्यारस के दिन माला फेरे,
हो जाए भव से पार,
हो जाए भव से पार रे,
अर्जुन हो जाए भव से पार,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान,
अर्जुन सुन गीता का ज्ञान,
जगत में ग्यारस बड़ी महान ॥

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

ग्यारस के दिन जो जपता राधे राधे नाम

ग्यारस के दिन जो जपता, राधे राधे नाम है।
उसको एक दिन दे देते, दर्शन घनश्याम है।

सुन लो राधा प्यारी पीछे, डोलत फिरे बिहारी।
डोलत फिरे बिहारी।
इसीलिए तो करो नौकरी, राधे की सरकारी।
राधे की सरकारी।
सबकी बिगड़ी को बनाना इसका ही काम है।
उसको एक दिन दे देते, दर्शन घनश्याम है।

ग्यारस के दिन जो जपता,राधे राधे नाम है।
उसको एक दिन दे देते, दर्शन घनश्याम है।

सुख में जीवन बीता फिर जब, अंत समय जो आता।
अंत समय जो आता।
खड़ा पास में दिखे सांवरिया, बाह पकड़ ले जाता।
बाह पकड़ ले जाता।
प्यार से ले जाए तुमको अपने वह धाम है।
उसको एक दिन दे देते, दर्शन घनश्याम है।

ग्यारस के दिन जो जपता,राधे राधे नाम है।
उसको एक दिन दे देते, दर्शन घनश्याम है।

मन मंदिर में जपो हमेशा, राधा राधा राधा।
राधा राधा राधा।
कट जाएगी जीवन की तेरी, देखो हर एक बाधा।
देखो हर एक बाधा।
फिर ना आए जीवन में, दुःख की कोई शाम है।
उसको एक दिन दे देते, दर्शन घनश्याम है।

ग्यारस के दिन जो जपता,राधे राधे नाम है।
उसको एक दिन दे देते, दर्शन घनश्याम है।

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net